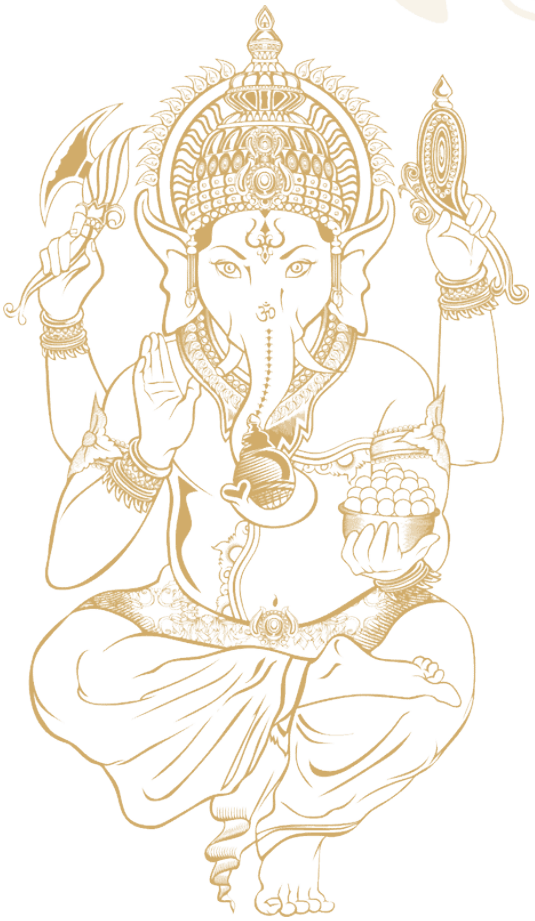

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120419303

| पुल्लिंग | | स्त्रीलिंग |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 31/12/1986 | जन्म तिथि | 05/10/1992 |
| बुधवार | दिन | सोमवार |
| घंटे 21:30:00 | जन्म समय | 08:00:00 घंटे |
| घटी 36:52:32 | जन्म समय(घटी) | 05:22:32 घटी |
| India | देश | India |
| Gorakhpur | स्थान | Gorakhpur |
| 26:45:00 उत्तर | अक्षांश | 26:45:00 उत्तर |
| 83:23:00 पूर्व | रेखांश | 83:23:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे 00:03:32 | स्थानिक संस्कार | 00:03:32 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:44:59 | सूर्योदय | 05:50:59 |
| 17:13:46 | सूर्यास्त | 17:38:23 |
| 23:40:27 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:45:38 |

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शुक्र 4वर्ष 5मा 24दि | | 12:26:18 | सिंह | लग्न | तुला | 15:56:23 | सूर्य 2वर्ष 2मा 20दि | |
| राहु | | 16:00:22 | धनु | सूर्य | कन्या | 18:20:53 | राहु | |
| 26/06/2014 | | 23:40:38 | धनु | चंद्र | मक | 05:03:30 | 26/12/2011 | |
| 26/06/2032 | | 00:50:31 | मीन | मंगल | मिथु | 18:19:57 | 26/12/2029 | |
| राहु | 08/03/2017 | 08:59:02 | धनु | बुध | तुला | 02:40:34 | राहु | 07/09/2014 |
| गुरु | 02/08/2019 | 23:46:59 | कुंभ | गुरु | कन्या | 05:04:49 | गुरु | 31/01/2017 |
| शनि | 08/06/2022 | 00:07:01 | वृश्चिक | शुक्र | तुला | 18:24:34 | शनि | 08/12/2019 |
| बुध | 25/12/2024 | 21:40:15 | वृश्चिक | शनि व | मक | 18:09:38 | बुध | 26/06/2022 |
| केतु | 13/01/2026 | 23:13:56 | मीन व | राहु व | धनु | 00:54:24 | केतु | 15/07/2023 |
| शुक्र | 12/01/2029 | 23:13:56 | कन्या व | केतु व | मिथु | 00:54:24 | शुक्र | 15/07/2026 |
| सूर्य | 07/12/2029 | 29:54:19 | वृश्चिक | हर्ष | धनु | 20:20:47 | सूर्य | 08/06/2027 |
| चन्द्र | 08/06/2031 | 12:00:00 | धनु | नेप | धनु | 22:26:08 | चन्द्र | 07/12/2028 |
| मंगल | 26/06/2032 | 15:46:36 | तुला | प्लूटो | तुला | 27:33:47 | मंगल | 26/12/2029 |

लग्न-चलित

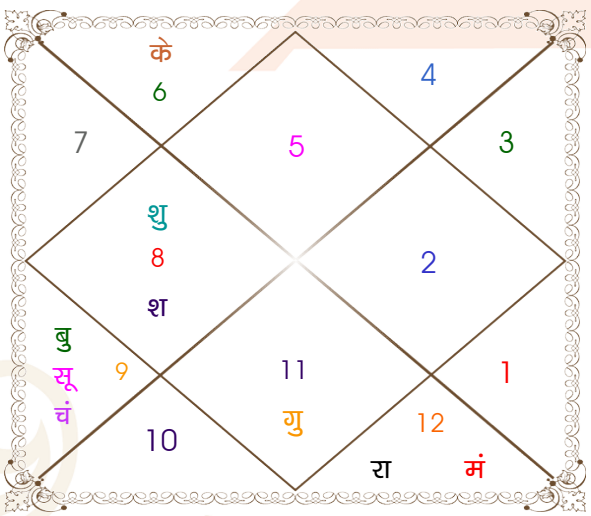




लग्न-चलित

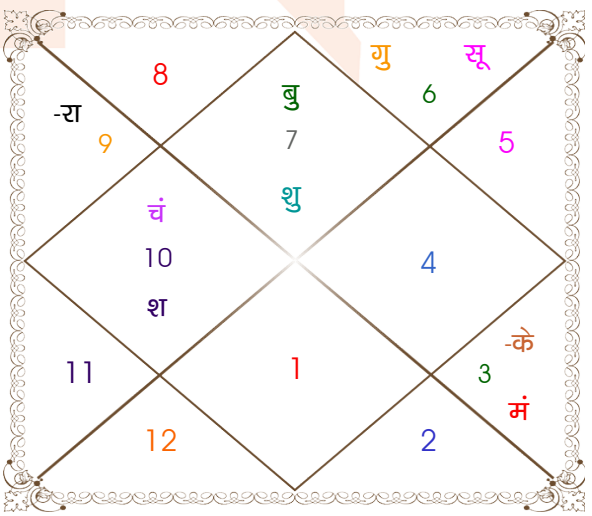

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | वैश्य | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | चतुष्पाद | 2 | 2.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | अतिमित्र | सम्पत | 3 | 3.00 | -- | भाग्य |
| योनि | वानर | नकुल | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | गुरु | शनि | 5 | 3.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | मनुष्य | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | धनु | मकर | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | अन्त्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 25.00 | | |

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।